श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ सह सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 23 * अंक : 23 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 मार्च 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

पुण्य-सम्राट के पट्टधरों ने करवाई श्रीसंघ में एकता

बड़नगर में भव्य मंगल प्रवेश

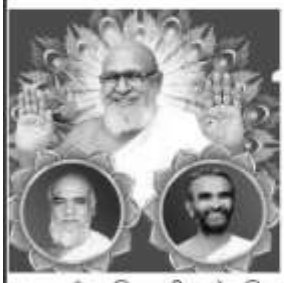

बड़नगर (स. सं),

प. पू. राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, प्रखर समाज शिल्पी, एकता के प्रबल पक्षधर आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. और मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द का दिनांक 21-2-2018 को बड़नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

नगर की सीमा से शोभायात्रा प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई गाँधी रोड़ पर श्री राजेन्द्रसूरि चौक स्थित श्री राजेन्द्रसूरि ज्ञान मन्दिर में धर्मसभा

गहुँली कर आचार्यद्वय को बधाते हुए गुरुभक्त

में परिवर्तित हो गई। शोभायात्रा में आचार्यद्वय एवं मुनिमण्डल का जैन श्रीसंघ एवं नगर की विभिन्न संस्थाओं के साथ नगर विधायक श्री मुकेशजी पण्डया ने दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। शोभायात्रा में आचार्यद्वय के प्रथम आगमन पर श्रावक-श्राविकाओं द्वारा जगह-जगह पर गहुँली कर बधाते हुए स्वागत किया। शोभायात्रा में मुमुक्षु प्रेमलता बहिन एवं रीतू बहिन बग्घी में चल रही थीं। ज्ञान मन्दिर पहुँचने पर महिला बहू परिषद् ने कलश नृत्य की प्रस्तुति से आचार्यद्वय को बधाते हुए सभी का मन मोह लिया।

धर्मसभा का प्रारम्भ गच्छाधिपतिश्री के मंगलाचरण के साथ हीं कहा कि पुण्य-सम्राट गुरुदेव एकता के शिल्पी थे। महापुरुष श्री जयन्तसेनसूरिजी हमारे बीच से देह से भले चले गये परन्तु आपकी अलौकिक खुशबू हमारे मध्य छोड़कर गये हैं। आज सभी के मानस पटल पर उनके संस्मरण याद आ रहे हैं क्योंकि 2013 का भव्य ऐतिहासिक चातुर्मास गुरुदेवश्री ने इसी बड़नगर में किया था। आप सबको गुरु के प्रति समर्पण भाव रख कर एकजुट रहते हुए जिनशासन की उत्तम प्रभावना के कार्य करना है। पुण्य-सम्राट का आशीर्वाद आपके और हमारे साथ है।

शोभायात्रा में आचार्यद्वय

आचार्यद्वय की श्रीसंघ द्वारा अगवानी

प. पू. माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि मनुष्य भव-भव में भटक रहा है। धर्म की राह उसे मुक्ति दिला सकती है। ममता, माया, लोभ और स्वार्थ ये जीवन से भटकाने का कार्य करते हैं, जबकि प्रभु पूजन, सेवा, धर्म, तप हमें भवपार लगाने के माध्यम हैं। हमेशा विवेकवान, ज्ञानवान, सदाचारी का आदर करें। सेवा कार्य करते रहें। अलगाव व मन मुटाव की भावना दूर रखकर समाज हित में एकता का शंखनाद करें क्योंकि समाज हित में एकता आवश्यक है। मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने एकता और समन्वय की महत्ता बताते हुए सारगर्भित प्रवचन प्रदान किया।

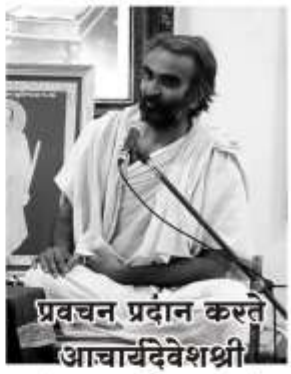

प्रवचन प्रदान करते आचार्यदेवेशश्री

गुरुपूजन का लाभ श्री रमेशचन्द्रजी पीरुलालजी ओरा बालोदा वालों ने तथा आचार्यद्वय को कामबली ओढ़ाने का लाभ श्री तारांचन्दजी शंकरलालजी दंगवाड़ा वाला परिवार ने लिया।

इस अवसर पर निकटवर्ती नगरों के श्रीसंघ के, शासन के प्रतिनिधि, नगर के गणमान्य एवं विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे।

दिनांक 22 फरवरी 2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पूजन का भव्य आयोजन हुआ। इसी दिन पुण्य-सम्राट के पट्टधरों की पावन निश्रा में श्रीसंघ बड़नगर की मीटिंग हुई, जिसमें पट्टधरों ने श्रीसंघ में कुछ महिनों से चल रहे मन मुटाव को मिटाने के लिए ऊर्जावान प्रवचन प्रदान किया। गुरुभगवन्तों के प्रभावी प्रवचन, प्रेरणा से एवं दादा गुरुदेव तथा पुण्य-सम्राट गुरुदेव के शुभाशीर्वाद से श्रीसंघ में एकता स्थापित होते ही श्रीसंघ के श्रावक-श्राविकाओं ने दादा गुरुदेव, पुण्य-सम्राट गुरुदेव एवं उनके पट्टधरों की जयकारों से पूरे परिसर को गुँजायमान कर दिया।

दिनांक 23 फरवरी 2018 को आचार्यद्वय की पावन निश्रा में नगर के श्री आदिनाथ जिनालय की 117 वाँ ध्वजारोहण समारोह हुआ और पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की भावना को साकार करने नगर के प्राचीन श्री नेमिनाथ जिनालय का जीर्णोद्धार करने का तय हुआ और भूमिपूजन का आदेश प्रदान किया गया, जिसका लाभ बड़नगर निवासी श्री वर्धमानजी चन्द्रभानजी राठौर परिवार ने लिया।

गच्छाधिपतिश्री एवं संघशिल्पी आचार्यदेवेशश्री के साथ ही मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. तथा श्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने श्रीसंघ एकता के महत्व पर प्रवचन प्रदान किया।

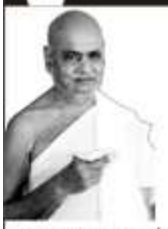

पुण्य-सम्राट के पट्टधर आचार्यद्वय की पावन निश्रा में मालव धर्मधरा पर तपस्वियों का बहुमान विहारानुक्रम में भव्य स्वागत व मंगल प्रवेश

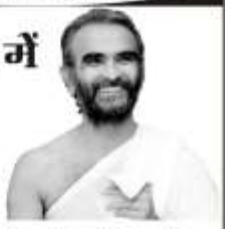

माण्डवपुर (स. सं.),

राष्ट्रसन्त, पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. आदि विशाल साधु-साध्वी भगवन्तों की पावन निश्रा में मालव धर्मधरा धार नगरी में तपस्वियों का बहुमान एवं विहारानुक्रम में नगर-नगर में भव्य मंगल प्रवेश के साथ भव्य स्वागताभिनन्दन।

आचार्यद्वय का धार नगरी में भव्य प्रवेश

धार,

विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के प्रशिष्य पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक

भव्य मंगल प्रवेश

आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा का पदार्पण मध्यप्रदेश की धार नगरी में हुआ। त्रिस्तुतिक श्रीसंघ, धार ने पट्टधरद्वय का भव्य नगर प्रवेश करवाया। शोभायात्रा के पूर्व श्रीसंघ के साथ पूर्व केन्द्रीय मन्त्री श्री विक्रमजी वर्मा ने गुरुभगवन्तों के दर्शन कर वन्दन किया। श्रीसंघ की महिलाओं एवं महिला परिषद् के साथ धार विधायक श्रीमती नीनाजी वर्मा ने गहुँली कर सामैया किया।

शोभायात्रा में धार नगरी के वर्षीतप के सभी तपस्वियों को सुसज्जित रथ में बिठाकर अनुमोदना की। शोभायात्रा नगर के राजमार्ग का परिभ्रमण कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। धर्मसभा में गच्छाधिपतिश्री का मंगलाचरण और आचार्यदेवेशश्री एवं मुनिमण्डल द्वारा सारगर्भित धर्मसन्देश प्रदान किया गया। पट्टधरद्वय को कामबली वोहराने का लाभ श्री हिम्मतलालजी जैन एवं गुरुपूजन का लाभ श्रीमती चान्दबाई चान्दमलजी तांतेड़ परिवार ने लिया।

इस अवसर पर परिषद् के अध्यक्ष श्री रमेश धारीवाल एवं महिला परिषद् की प्रान्तीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा भण्डारी सहित श्रीसंघ एवं परिषद् के अनेक गुरुभक्त उपस्थित रहे।

आचार्यद्वय की निश्रा में वर्षीतप के तपस्वियों भव्य अभिनन्दन

धार,

पुण्य-सम्राट के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं संघशिल्पी आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा में धार नगरी में वर्षीतप की आराधना कर रहे 42 तपस्वीरत्नों के बहुमान का लाभ श्रीसंघ की आज्ञा से धार निवासी श्री झमकलालजी मनोहरलालजी तांतेड़ परिवार ने लिया। धार में चल रहे वर्षीतप में सम्पूर्ण वर्ष में बियासना करवाने का लाभ श्रीमती मन्जूलाबेन पूनमचन्दजी अम्बोर परिवार ने लिया।

वर्षीतप तपस्वियों का अभिनन्दन

तप अनुमोदना के पावन प्रसंग पर पट्टधरद्वय से मिलने पधारे आचार्यदेव श्रीमद्विजय राजपद्मसूरीश्वरजी म. सा. को श्रीसंघ ने कामबली वोहराकर आशीर्वाद प्राप्त किया। तप अभिनन्दन समारोह में म. प्र. त्रिस्तुतिक जैन संघ के अध्यक्ष श्री सुरेशजी तांतेड़ एवं परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल सहित अनेक गुरुभक्त उपस्थित रहे।

आचार्यश्री को कामबली वोहराते श्रीसंघ

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय का केन्द्रीय मन्त्री के घर पावन पदार्पण

धार,

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं प्रवचनकार आचार्य भगवन्तश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं मुनिमण्डल के मध्यप्रदेश के धार नगर आगमन पर पूर्व केन्द्रीय मन्त्री (भारत सरकार) श्री विक्रमजी वर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नीनाजी वर्मा (विधायक धार) ने गुरु भगवन्तों को अपने निवास स्थान पर पगलिये करने की भाव भरी विनती की। गुरु भगवन्तों के पावन पदार्पण पर वर्मा दम्पत्ति ने गहुँली एवं गुरु पूजन कर आचार्यद्वय का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आचार्यद्वय केन्द्रीय मन्त्री श्री वर्मा एवं श्रीमती वर्मा से चर्चा करते हुए

आचार्यद्वय से चर्चा के दौरान वर्मा दम्पत्ति ने पुण्य-सम्राट गुरुदेव के संस्मरण बताते हुए उन्हें याद किया। पूर्व में अनेक बार श्री विक्रमजी एवं श्रीमती नीनाजी वर्मा ने पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के दर्शन-वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. ने वर्मा दम्पत्ति को उनके द्वारा लिखित पुस्तक त्रिस्तुतिक परम्परा परिचय प्रदान की।

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये।
घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार काया में ध्वजारोहण महोत्सव सम्पन्न

उदयपुर, (स. सं.),

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, काया-उदयपुर में श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि जैन मन्दिर की नवमी वर्षगाँठ पर ध्वजारोहण महोत्सव धूमधाम से सानन्द सम्पन्न हुआ।

श्री धर्मेन्द्र पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 16-2-2018 को श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित ध्वजा महोत्सव के लाभार्थी श्री सुखसागर चेरिटेबल ट्रस्ट, मेंगलवा-दिल्ली-चैन्नई, श्री मूलचन्दजी सुखराजजी बालड़ परिवार थे। प्रातः 9 बजे श्री सत्तरभेदी पूजा संगीत की स्वर लहरियों के साथ पढ़ाई गई। 12.39 बजे लाभार्थी परिवार द्वारा पुरानी ध्वजा उतार नूतन ध्वजा फहराई गई। इस अवसर पर स्थानीय एवं बाहर से पधारे अतिथि एवं गुरुभक्त उपस्थित थे। दोपहर 1 बजे स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया।

प्रीतमनगर में महिला परिषद् शाखा गठित एवं धार्मिक पाठशाला प्रारम्भ

प्रीतमनगर, (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के आशीर्वाद व पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. एवं संघशिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. की प्रेरणा से अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् की नवीन शाखा का गठन 20 फरवरी 2018 को प्रीतमनगर (म.प्र.) में किया गया।

म.प्र. परिषद् की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा भण्डारी मनावर के नेतृत्व में श्रीमती रानी खमेसरा व श्रीमती हर्षा नान्देचा, खाचरोद एवं श्रीमती शशि लुणावत, राजगढ़ आदि के सान्निध्य में जैन पौषधशाला में महिला परिषद् की नवीन शाखा का गठन सर्वानुमति से किया गया। जिसमें अध्यक्षा श्रीमती सरिता सोलंकी, उपाध्यक्षा- श्रीमती मन्जू जैन, सचिव- श्रीमती संगीता वन्याकिया, कोषाध्यक्षा- श्रीमती जीवनदेवी बोहरा, शिक्षामन्त्री- श्रीमती प्रेमलता खाबिया, प्रचारमन्त्री- श्रीमती सोनाली सोलंकी, धार्मिक पाठशाला के लिए कुमारी सलोनी सोलंकी व सोनाली सोलंकी को नियुक्त किया गया।

नगर में धार्मिक पाठशाला का भी शुभारम्भ कर नवीन पाठ्यक्रम वितरण किया गया। वर्षीतप कर रहे आराधकों का बहुमान महिला परिषद् के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

अनाथ एवं वृद्धाश्रम में महिला परिषद्

कोयम्बतूर, (स. सं.)

श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद्, शाखा कोयम्बतूर द्वारा कुछ क्षण अपरिचित नन्हें-मुन्नों के साथ एक ऐसे अनाथाश्रम में कार्यक्रम आयोजित कर बिताये गये। इस अनाथाश्रम में लगभग 25 से 30 बच्चे एक भयानक बिमारी एड्स से पीड़ित है, जिन्हें दुनिया अलग दृष्टि से देखती है। मानव सहायता की भावना दृष्टिगत रखते हुए इन बच्चों की जरूरतमन्द वस्तुओं की पूर्ति के साथ ही एक माह का किराया परिषद् द्वारा दिया गया। महिला परिषद् अध्यक्षा ने इस अवसर पर कहा कि सभी बच्चों के मुख पर प्रसन्नता देख कर ऐसा अनुभव हुआ कि बड़े से बड़े पुण्य को करने के बाद भी ऐसी प्रसन्नता नहीं मिलती है।

महिला परिषद् ने एक वृद्धाश्रम में जाकर वहाँ के बेघर बुजुर्गों से मिलकर उन्हें अपनापन महसूस कराया और उन्हें फल एवं मेवे के पैकेट वितरीत किए।

मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी खानपुर में

अहमदाबाद, (स. सं.)

प. पू. जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्य एवं गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती क्रान्तिकारी प्रवचनकार मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा का अहमदाबाद में विहारानुक्रम में दिनांक 21 फरवरी 2018 को प्रातः 8 बजे खानपुर में मंगल प्रवेश हुआ।

प्रवेश के पश्चात् अपनी विशिष्ट शैली में मुनिराजश्री ने प्रवचन प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीसंघ एवं आसपास के क्षेत्रों के गुरुभक्त उपस्थित थे।

श्री चन्द्रलोक जैन तीर्थ में ध्वजारोहण

माण्डवपुर, (स. सं.)

श्री माण्डवपुर तीर्थ के समीप स्थित श्री चन्द्रलोक जैन तीर्थ में फाल्गुन शुक्ला पंचमी दिनांक 20 फरवरी 2018 को धूमधाम से ध्वजारोहण कार्यक्रम सुसम्पन्न हुआ।

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्य मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. आदि ठाणा-3 माण्डवपुर तीर्थ से श्री चन्द्रलोक तीर्थ पधारे। आपकी शुभनिश्रा में श्री चन्द्रलोक तीर्थ निर्माता मेंगलवा निवासी शा. जेठमलजी कुन्दनमलजी बालगोता परिवार लहेर कुन्दन ग्रुप के श्री गौतमभाई, श्री अभिषेककुमार, चन्द्राबेन भी उपस्थित थे। बालगोता परिवार के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक ध्वजारोहण कार्यक्रम में भाग लिया।

स्थानीय ग्रामीणों ने भी उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अमर ध्वजा लाभार्थी बालगोता परिवार के सभी सदस्यों ने मंगल वाद्य-गीत-नृत्य करते हुए श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ भगवान के मूलमन्दिर सहित गणधर मन्दिर, श्री राजेन्द्रसूरि गुरुमन्दिर, कुलदेवी श्री सच्चियायमाता मन्दिर आदि देहरियों पर भी ध्वजारोहण किया।

अन्त में सभी पधारे हुए अतिथियों एवं गुरुभक्तों के लिए भोजन का विशेष प्रबन्ध किया गया। पूजा एवं ध्वजा विधि करने हेतु श्री हेमन्तजी वेदमुथा (मक्षीजी) पधारे।

जीवाणा नगर में ध्वजारोहण सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

जालोर जिले के जीवाणा नगर में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय एवं गणधर मन्दिर पर वार्षिक ध्वजारोहण सानन्द सम्पन्न हुआ।

प. पू. सूरिमन्त्राराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के सुशिष्यरत्न मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा., मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री अरुणप्रभाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 की शुभनिश्रा में फाल्गुन शुक्ला तृतीया को 'ॐ पुण्याहं, पुण्याहं' मन्त्रोच्चारपूर्वक मूलनायकश्री पार्श्वनाथ भगवान के शिखर पर शुभवेला में ध्वजा चढ़ाई गई, साथ ही मूलशिखर एवं गणधर मन्दिर दोनों पर अष्टप्रकारी पूजा की गई।

मूलमन्दिर के अमर ध्वजा लाभार्थी श्रा. मोंगीलालजी रिखबचन्दजी पारख के घर से ध्वजा को बाजे-गाजे के साथ शोभायात्रा के रूप में मन्दिर तक पहुँचे।

नवम ध्वजा पूजा पढ़ाने के बाद ध्वजा चढ़ाई गई। अन्त में मुनिराज सहित सभी ने सामूहिक चैत्यवन्दन किया। उपस्थित समस्त श्रावक-श्राविकाओं को माँगलिक श्रवण कराया।

श्री भाण्डवपुर तीर्थ में निर्माण कार्य

भाण्डवपुर (स. सं.),

राजस्थान की अतिप्राचीन धर्मधरा श्री भाण्डवपुर तीर्थ में निर्माण कार्य निरन्तर गतिमान है। जैसे-जैसे तीर्थ विकास में नवीन प्रकल्पों के साथ नूतन निर्माण कार्य हो रहा है, वैसे-वैसे यह पुण्यवन्त भूमि सभी के आकर्षक का केन्द्र बन रही है।

मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री महावीर 52 जिनालय के देहरियों के शिखरों का निर्माण कार्य पूर्णता पर है। छज्जा एवं क्रांगणा पूर्ण हो गए हैं। सभी देहरियों पर लघु सामरण का कार्य प्रारम्भ है। मूल मन्दिर में घिसाई कार्य प्रारम्भ कर दिया है। रंगमण्डप के गलीचे (फर्श) का कार्य भी शुरू है।

विशाल हॉल का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। जिसकी नींव भराई चालू हो गई है। पुरानी यात्री धर्मशाला हटाकर भूमि समतल हो गई है। साथ ही सड़क (पथ) सुरक्षा दीवार का कार्य भी निरन्तर शुरू है।

आराधना भवन का लोकार्पण

उदयपुर, (स. सं.)

प. पू. जैनाचार्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पट्टधर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. और मुनिराजश्री अशोकविजयजी म. सा. का पावन पदार्पण माटपचलाना नगर में 24 फरवरी 2018 को हुआ।

आचार्यद्वय की अगवानी करते बोहरा समाज के प्रतिनिधि

नगर की सीमा पर श्रीसंघ एवं श्रावक-श्राविकाओं ने दर्शन-वन्दन कर भव्य शोभायात्रा के साथ आचार्यद्वय का मंगल प्रवेश करवाया। मार्ग में विभिन्न संस्थाओं ने आचार्यद्वय को वन्दन करते हुए आत्मीय अभिनन्दन किया। शोभायात्रा राजमार्ग से होती हुई श्री आदिनाथ जिनालय के प्रांगण में धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रेरणा से निर्मित श्री राज-राजेन्द्र-जयन्तसेनसूरि आराधना भवन का लोकार्पण किया गया। उद्घाटन का लाभ श्री सन्तोषजी माहेश्वरी ने लिया। नूतन भवन में विश्वपूज्य गुरुदेव एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेव के चित्र स्थापित करने की रजा प्रदान की गई, जिसका लाभ श्रीमती दाखाबाई समरथमलजी परिवार ने लिया। धर्मसभा में श्री विरेन्द्रजी राठौर ने श्रीसंघ को 8 मार्च को श्री मोहनखेड़ा तीर्थ में पट्टधरों के प्रवेश पर पधारने की विनती की।

श्री बोहरा का सम्मान

इस अवसर पर शासन प्रभावना के कार्य गुरुभक्तों तक पहुँचाने हेतु श्री ब्रजेश बोहरा, नागदा का श्रीसंघ की ओर से सम्मान किया गया। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय को लाभार्थी परिवार श्री अम्बालालजी सुशीलजी कटलेचा की ओर से काम्बली वोहराई गई। मुमुक्षु प्रेमलता बहिन एवं मुमुक्षु रीतू बहिन की वर्षीदान यात्रा भी हुई।

योगी-वाणी

अपनी जीवन रूपी वीणा से सुख-आनन्द की मधुर झंकार निकले इसलिए अपने इन्द्रिय रूपी तारों को ना इतना ढीला रखो कि वो निरंकुश और अर्थहीन हो जाए और ना इतना ज्यादा कसो कि वो टूटकर आनन्द का अर्थ ही खो बैठे।

जिसे मध्यम मार्ग में जीना आ गया वो सच में आनन्द को उपलब्ध हो जाता है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

सह सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित